किसानों, मजदूरों व क्षेत्र के लोगों की भावनाओं की लगातार उपेक्षा होती चली आई हैं उनकी तरफ ध्यान देकर जल्दी पुल के निर्माण का कार्य शुरू करवाया जाए ताकि वहां पर बसे हजारों किसानो की पैदावार का उचित मूल्य दूसरी मंडियों में भी मिल सके। वहां पर जो पिछड़ा हुआ खादर का इलाका हैं, वहां सड़कों, अस्पतालों की कोई सुविधा नहीं हैं। पढ़ने के लिए कॉलेजों की कोई सुविधा नहीं हैं। दस-बीस गांवों के बीच में तालीम की सुविधा हैं।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि आजादी के पचास वर्ष बाद भी वहां के लोग उपेक्षित भाव से जी रहे हैं और उनके साथ उपेक्षापूर्ण व्यवहार हो रहा हैं इसके लिए शीघ्र इस ऐतिहासिक कस्बे में, जो कि ऐतिहासिक गंगा नदी के तट पर है पुल बनाने का काम शुरू होना चाहिए।

Need for Issue of Coins in Honour of Sardar Vallabha Bhai Patel

डा. (श्रीमती) उर्मिला चिमनभाई पटेल (गुजरात) : सर, मैं आपके माध्यम से सरकार और मंत्री जी से अनुरोध करना चाहती हूं कि सरदार वल्लभाई के नाम पर एक रूपए और पांच रूपए की मुद्राएं सिक्के जारी किए जाएं। सरदार वल्लभाई हमारे देश के सर्वोच्च लीडर थे जिन्होने अपना पूरा जीवन इस देश के लिए दिया। यह हमारे देश के किसी व्यक्ति या हाउस को बताना जरूरी नहीं है कि ये एक अखंड भारत के शिल्पी भी हैं। जिस गौरव की हम आज बात कर रहे हैं, सरदार वल्लभ भाई पटेल का 15 दिसम्बर को श्रद्वांजलि दिवस है। अगर यह निर्णय आज सरकार जाहिर करे तो मेरे हिसाब से यह उनके व्यक्तित्व के योग्य, उनकी श्रद्वांजलि के योग्य होगा। जहां तक मुझे मालूम हैं, दो रूपए का क्वाइन जारी किया गया है। लेकिन अगर एक का भी होगा तो पूरे जो कामन मैन हैं उनके उपयोग में यह आएगा और सरदार जी के गौरव के मुताबिक यह होगा। सर, मैं यह भी अनुरोध करूंगी कि पूरी मात्रा में ये क्वाइन जारी किए जाएं जिससे आम आदमी के रोज-व-रोज उपयोग में यह आ सके और इनका उपयोग करके वे अपने आप को भी गौरवान्वित कर सकें।

सर, मैं फिर से यह अनुरोध करना चाहती हूं कि इसके ऊपर सरकार तुरन्त निर्णय ले और यहां जो केबिनेट मंत्री यह बैठे हुए हैं, वे संबंधित मंत्री और सरकार को इसकी जानकारी है। इतना कहकर मैं फिर से आपका आभार मानती हूं।

SHRI PRAFULL GORADIA (Gujarat): Sir, I associate myself with what Shrimati Urmilaben Chimanbhai Patel has said.

श्री टी.एन. चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदय, जो भी भावनायें श्रीमती उर्मिला बेन ने व्यक्त की हैं मैं उससे पूरी तरह से अपने को संबद्व करता हूं। वल्लभ भाई की जो जन्म शती मनाई गई वह एक ऐसे समय मनाई गई, जब उसकी तरफ पूरा ध्यान नहीं दिया जा सका। उनकी जो देन हैं, इस देश के लिए जितनी उनकी सेवायें हैं उनको ध्यान में रखते हुए, उनको स्मरण रखते हुए यह आवश्यक हैं एक और पांच रूपए के सिक्के के ऊपर उनका चित्र हो, उनका चेहरा हो और उनको इश्यू किया जाए। साथ साथ मैं यह मानता हूं कि इस एक छोटे से काम से हम लोग, हमारी जो उनके प्रति श्रद्वा हैं, उनका जो ऋण हम पर हैं उसको हम उतार सकते हैं, इस तरफ ऐसा करके एक प्रयास कर सकते हैं, इस तरफ ऐसा न करके एक प्रयास कर सकते है और साधारण जनता को उनके संबंध में और जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

इन शब्दों के साथ मैं पुनः श्रीमती उर्मिला बेन के वक्तव्य से अपने को पूरी तरह संबद्व करता हूं।

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : सर, यह विषय जो उर्मिला बेन ने उठाया है यह बहुत ही महत्वपूर्ण हैं सरदार वल्लभ भाई पटेल न केवल भारत की आजादी में अगुवा रहे हैं बल्कि वह स्वतंत्र भारत के निर्माता भी रहे हैं। अगर वह न होते तो शायद आज जो भारत का नक्शा हमारे सामने हैं वह न होता। भारत की आजादी और भारत के नव-निर्माण, दोनों में उनकी प्रमुख जो भूमिका रही हैं उसका हम कोई बदला नहीं दे सकते, उसका कुछ प्रतिदान नहीं दे सकते लेकिन यह एक छोटा सा काम करके, सिक्का निकाल कर हम केवल यह अनुभव कर सकते है कि हमने उनकी याद को ताजा किया हैं। यह काम हमें अवश्य करना चाहिए। अच्छा रहेगा अगर सरकार इस काम को करे। इतना ही करते हुए मैं अपनी बात समाप्त करती हूं।

SHRI BRAHAMKUMAR BHATT (Gujarat): Sir, I know, at the time when Mr. Chidambaram was the Finance Minister, a 5-rupee depicting Sardar Patel's picture, was issued and circulated. But my submission is, that was only a token tribute. What he did was a token of service. The Reserve Bank of India has also written a letter to me saying that a coin was issued. That is not enough.

Coins of small denominations should be issued and it should be circulated. The question is not merely one of issuing a coin. There were so many coins issued in the past, depicting pictures of great leaders. But they are all either in showcases or like show-pieces. One good thing done about Sardar Patel was, his statue was installed in Parliament House. It was installed at a befitting place. Sir, Parliament is the rightful place, which Sardar Patel had enjoyed during the freedom struggle. This is one good thing that was done. Today is his death anniversary. The Government should take a decision and the decision is, coins should be issued and circulated so that they will go to the masses and the people will know. That is my suggestion. Thank you.

SHRI MADHAVSINH SOLANKI (Gujarat): Sir, I associate myself with Shrimati Urmilaben Chimanbhai Patel's proposal that such a coin should be issued.

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, I associate myself with Shrimati Urmilaben Chimanbhai Patel. Sardar Patel was a great patriot. In fact, when we talk about him, we see the Indian history. He has become a part of Indian history. He does not require a coin in his memory, but it should have been done, without any demand from Parliament. We thank you very much that you have permitted this to be done. We thank Shrimati Urmilaben also.

श्री बंगारू लक्ष्मण (गुजरात) : सभापति महोदय, उर्मिला बेन पटेल जी ने जो विषय उठाया हैं, बहुत महत्वपूर्ण हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल जी का योगदान इस देश को एक रखने में और अखण्डता को बनाए रखने में बिल्कुल अद्वितीय हैं। जैसे कि हमने पिछले साल स्वर्ण जयन्ती मनाई हैं, इस साल स्वर्ण जयन्ती उत्सव कुछ ऐसे राज्यों में जहां सरदार वल्लभ भाई पटेल के काम के कारण, उनके इनिशियेटिव के कारण उन राज्यों का भारत के साथ विलय हुआ जैसे हैदराबाद स्टेट, ऐसे संबंधित अन्य राज्यों में यह काम यदि किया जाए तो बहुत ही उपयुक्त होगा। इस प्रकार का काम निश्चित रूप से करना चाहिए ताकि सार्वजनिक रूप से उनका संदेश जाए, सब लोग उनको याद करें। इस प्रकार का काम निश्चित रूप से करना चाहिये । जो सुझाव उन्होने दिया हैं, मैं उसका समर्थन करता हू।

DR. MANMOHAN SINGH (Assam): Sir, our country can never forget Sardar Patel, in view of his great services to our country in the freedom struggle and, subsequently, in consolidating the gains of our freedom. I, therefore, associate myself fully with the sentiments expressed by Shrimati Urmilaben Patel and other hon. Members. It would be a befitting tribute if a suitable coin of a denomination, she has mentioned, is brought out to commemorate the memory of a great stalwart of Indian freedom spuggle that Sardar Patel was.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI (Gujarat): By associating myself with Shrimati Urmilaben Patel, I would submit that the role of Sardar Patel . in the liberation of India and in the maintenance of * the sovereignty and integrity of India was unique. Therefore, I associate myself with the sentiments expressed by Mrs. Urmilaben Patel.

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा) : सभापति महोदय, सरदार वल्लभ भाई पटेल जी ने आजादी के लिए और आजादी के बाद देश की एकता और विकास के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया हैं। सरदार वल्लभ भाई जी की स्मृति में यहां पर सांसदो ने एक रूपये और पांच रूपये के सिक्के निकालने की जो भावना प्रकट की हैं, मैं वित्त मंत्री जी को सभी सांसदों का यह संदेश कनवे करूंगा।

Need to include Maithili Language in the Eighth Schedule of the constitution

श्री जनार्दन यादव (बिहार) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि मैथिली भाषा जो देश की स्मृद्व भाषाओं में आती हैं, तीन करोड़ लोग मैथिली भाषा बोलते हैं, लिखते हैं, पढ़ते हैं। 1917 से ही कलकत्ता विश्वविद्यालय में मैथिली भाषा को पढ़ाई के लिए मान्यता मिली हुई हैं। 1929 में बनारस हिन्दू यूनीवर्सिटी में भी मैथिली भाषा शुरू हुई, मान्यता मिली हुई हैं।